मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BBHLA–135

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.बी.एच.एल.ए.-135 : आधुनिक भारतीय भाषा—भोजपुरी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभ प्रस्नन के उत्तर दीं।*

---

1. नीचे लिखल वाक्यन में से सही/गलत के पहचान करीं : 10

(अ) भोजपुर, मुजफ्फर जिला के एगो गाँव के नाम ह।

(ब) भिखारी ठाकुर लोक नाटकन के रचना ना कइलन।

(स) 'इमली के बीया' के लेखक विद्यानिवास मिश्रजी हईं।

(द) 'कँगाली' रजाई कहानी के पात्र ना ह।

(य) 'श्लिष्ट' सब्द के माने अनेकार्थक सब्द होला।

2. सही उत्तर से खाली जगह के भरीं : 10

(अ) एही खातिर बेटिहा ..... बाटे। (पेरात/बिलात)

(ब) 'शिवजी के खेती' के रचनाकार ..... हवें।

(मोती बी. ए. / धरीक्षण मिश्र)

(स) परमार वंशी राजा भोज के संबंध ..... से रहे।

(मुम्बई / मालवा / मालेगाँव)

(द) लुग्गा ..... के पर्याय सब्द ह। (फ्रॉक/धोती/साड़ी)

(य) भाव–पल्लवन संक्षेपन के ..... ह।

(समान अर्थ / उल्टा अर्थ)

3. सप्रसंग व्याख्या करीं : 12

'डाढ़ी–डाढ़ी–फुनगी–फुनगी मोजरि महँके आम के
जरी से पुलुही कींचवा झूले रस बरिखे बेदाम के
जेकर जइसन सबल सिंगार
आई पर नेछावर संसार।

4. ''रजाई' कहानी यथार्थवादी कहानी ह', बिस्लेसन करीं। 14

5. भोजपुरी भासा के साहित्यिक विकास पर आपन बिचार प्रस्तुत करीं। 14

6. मोती बी. ए. के 'सेमर के फूल' के सारांस लिखीं। 14

7. बड़का भईया के लगे माई के तबीयत खराब के खबर करे खातिर एगो चिट्ठी लिखीं। 10

8. नीचे लिखल बिसय में से कवनो **एगो** पर संछेप में प्रकास डालीं : 10

(अ) बिदेसिया

(ब) संक्षेपन

(स) धरीक्षण मिश्र

9. निम्नलिखित में से कवनो **एगो** लोकगीत लिखीं : 6

(अ) विवाह/बियाह गीत

(ब) होली

(स) रोपनी के गीत

× × × × ×